सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 12 ● अंकः 34 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 9 मार्च, 2026

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में यह सोच विकसित कर देता है कि वो असफल नहीं हो सकते।
–बिल गेट्स

भारत फिर बना टी20 विश्वकप... 7 | तमिलनाडु में विस चुनाव करीब... 3 | भाजपा ने आत्मनिर्भरता व संप्रभुता... 2

तेल, ताकत और टकराव

बढ़ा तनाव

भारत में गैस की किल्लत की आहट, आसमान में आफत

कटते सर, गिरती लाशें, महंगी होती दुनिया

» जंग में अगले 48 घंटे अतिमहत्वपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आसमान में चमकती आग की लकीरें और जमीन पर उठते धुएं के गुबार इस बात का संकेत हैं कि दुनिया के सबसे विस्फोटक इलाकों में शुमार होने वाला मध्य पूर्व का इलाका एक बार फिर युद्ध की लपटों में घिरता जा रहा है।

ईरान–अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य टकराव अब सिर्फ दो देशों की लड़ाई नहीं रह गया है। बल्कि यह तेल ताकत और वैश्विक राजनीति की ऐसी जंग बनता जा रहा है जिसका असर पूरी दुनिया महसूस कर रही है। भारत भी जंग के असर से अछूता नहीं है और महंगाई के तौर पर जंग का एक बड़ा वार भारत की ओर बढ़ रहा है। गैस के दाम बढ़ाये जा चुके हैं, पेट्रोल प्राइस हाइक के साथ दूसरी अन्य चीजों के भाव बढ़ने की लोगों के बीच अशांकाए तेजी से फैल रही हैं।

सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं युद्ध

युद्ध के मैदान में गिरती लाशें सिर्फ दो देशों की त्रासदी नहीं हैं। यह उस दुनिया की कहानी भी है जहां हर मिसाइल के साथ तेल की कीमतें बढ़ती हैं हर धमाके के साथ बाजार हिलता है और हर तनाव का असर लाखों करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ता है। मिडिल ईस्ट की इस आग ने एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक युद्ध सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं रहते। उनका धुआं बहुत दूर तक फैलता है। इतना दूर कि उसकी तपिश दुनिया के हर कोने तक महसूस होने लगती है।

एयर इंडिया की अतिरिक्त उड़ानें

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और यात्रा संबंधी जरूरतों को देखते हुए एयर इंडिया ने कई अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की है। कंपनी ने नौ मार्गों पर कुल 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने का फैसला किया है। एयरलाइन के अनुसार इसका उद्देश्य यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना और संभावित भीड़ को संभालना है। क्षेत्रीय तनाव के दौरान एयरलाइंस को अपने रूट और सेवाओं में बदलाव करना पड़ता है ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर के पार

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है और कई बाजारों में कीमतें 100 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध या संघर्ष की स्थिति में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ जाती है जिससे बाजार में कीमतें तेजी से ऊपर जा सकती हैं। अगर तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो तेल की कीमतों में और बढ़ोत्तरी की संभावना भी जताई जा रही है। इसका असर पेट्रोल, डीजल और अन्य ऊर्जा उत्पादों की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

और फैलता जा रहा युद्ध

इस संघर्ष में दोनों पक्षों की सैन्य ताकत खुलकर सामने आ रही है। मिसाइल हमले ड्रोन स्ट्राइक और जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को तनाव के घेरे में ला दिया है। ईरान के ताबड़तोड़ हमलों ने पूरे इलाके में दहशत का महौल बना दिया है। कतर, बहरीन, दुबई और सउदी अरब में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान की ओर से खुलकर अटैक किये जा रहे हैं। बीती रात बहरीन स्थित एक अमरीकी सैन्य ठिकानें पर कि गयी कार्रवाई में अमरीकी सैनिकों के मारे जाने की खबरें भी आई हैं। वहीं सउदी अरब ने रूस से अपील की है कि वह ईरानी हमलों को रोकने के लिए ईरान से बात करे जिसे रूस ने ठुकरा दिया है। बदले में आज तड़के अमरीकी जंगी जहाजों में ईरान के मशहद में बमों की बारिश की जिससे सहरी करते ईरानी सहम गये और बड़ी तादात में लोगों के मारे जाने की खबरें है। हर घंटे अटैक जारी है और सायरन की आवाजों ने सम्पूर्ण इलाके में दहशत को और ज्यादा खतरनाक बना दिया है।

ड्रोन की दहशत

मिसाइलों और ड्रोन से हो रहे हमलों ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया है। सीमाओं के पार से दागे जा रहे हथियार और लगातार हो रहे जवाबी हमले इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि हालात तेजी से नियंत्रण से बाहर जा सकते हैं। कई शहरों में सायरन बज रहे हैं लोग बंकरों में छिपने को मजबूर हैं और सैन्य ठिकानों पर हमलों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संघर्ष अब उस मोड़ पर पहुंच गया है जहां हर फैसला अगले बड़े कदम की दिशा तय करेगा। यही वजह है कि सैन्य विश्लेषक बार-बार कह रहे हैं कि अगले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण हो सकते हैं। अगर इन घंटों में हमलों की तीव्रता बढ़ती है तो यह जंग और भी व्यापक रूप ले सकती है।

एलपीजी कीमतों पर ममता बनर्जी का हमला

रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोत्तरी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एलपीजी की कीमतों में वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है। उनके अनुसार रसोई गैस जैसी जरूरी चीजों के महंगे होने से घर का बजट बिगड़ जाता है। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि सरकार को आम लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

मिडिल ईस्ट उर्जा नक्शे का केन्द्र बिंदू

इस युद्ध का सबसे बड़ा असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है। मिडिल ईस्ट दुनिया के ऊर्जा नक्शे का केंद्र है। और यही कारण है कि यहां की हर हलचल वैश्विक बाजारों को झकझोर देती है। तेल के कुएं समुद्री व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति की धमनियां इसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ सकती है। तेल की कीमतों में तेजी से उछाल। गैस की आपूर्ति पर बढ़ता दबाव और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता यह सब संकेत दे रहे हैं कि जंग का असर आम लोगों की जेब तक पहुंचने वाला है। पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस तक हर चीज की कीमत पर इसका असर पड़ना शुरू हो गया है।

भारत ने कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कच्चे तेल की खरीद को विविध स्रोतों से बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता को देखते हुए सरकार और तेल कंपनियां अन्य देशों से आयात बढ़ाने की दिशा में काम कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत पहले से ही कई देशों से कच्चा तेल खरीदता है लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए आयात के स्रोतों को और संतुलित करने की कोशिश की जा रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अगर किसी क्षेत्र में आपूर्ति प्रभावित होती है तो देश की ऊर्जा जरूरतों पर ज्यादा असर न पड़े। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देशों में से एक है और अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीधे देश की अर्थव्यवस्था और ईंधन की कीमतों पर पड़ सकता है।

भाजपा ने आत्मनिर्भरता व संप्रभुता के साथ समझौता किया : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख का मोदी पर हमला, कहा- अब विदेशी तय कर रहे हैं हमारी विदेश नीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि हमारी विदेश नीति पहली बार विदेशी तय कर रहे हैं। भाजपा ने हमारी परंपरागत गुट निरपेक्षता की विदेश नीति को तिलांजलि देकर आत्मनिर्भरता व संप्रभुता के साथ समझौता किया है।

अखिलेश ने लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कहा कि भाजपा हर सच्ची चीज और सच्चे लोगों से घबराती है। अब तो भाजपा सरकार सनातनी लोगों से भी घबरा रही है। जो सरकार कभी खुद को सनातनी बताती थी, वह आज सनातन के शंकराचार्य से घबरा रही है। भाजपा सरकार ने शंकराचार्य का अपमान किया है। भाजपा सनातन धर्म को बदनाम कर रही है।

सपा अध्यक्ष ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्त्रियों के प्रति दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता है। सरकार और समाज को महिलाओं के उत्थान के लिए हमेशा काम करते रहना चाहिए। महिलाएं जितनी प्रगतिशील होंगी, समाज उतना ही आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं की सुरक्षा करने में फेल है। सरकार महिलाओं को सम्मान और रोजगार उपलब्ध कराने में विफल है। लखनऊ और यूपी पुलिस महिलाओं से सच्चे आंकड़े छिपाती है। अगर एनसीआरबी के आंक ?ें

को देखा जाए तो देश में सबसे ज्यादा असुरक्षित महिलाएं उत्तर प्रदेश में है।

अखिलेश से रविवार को पर्यावरणविद मेवा लाल वर्मा ने मुलाकात की। इस दौरान शहरी स्वच्छता, पर्यावरण, वायु एवं जल प्रदूषण, आर्गेनिक खेती आदि तमाम मसलों पर गंभीर चर्चा हुई। मेवा लाल वर्मा ने खाद के लिए केंचुआ फार्म और गौरैया संरक्षण के साथ जैविक फसल के उत्पादन का काम अपने फार्म हाउस में किया है।

सपा असम में खड़े करेगी प्रत्याशी

असम के विधानसभा चुनाव में सपा भाग्य आजमाएगी। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने की रणनीति के तहत पांच सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। इस बारे में शीघ्र ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी। लोकसभा में सीटों के लिहाज से सपा देश में तीसरे स्थान पर है। उसके पास 37 लोकसभा सांसद हैं, लेकिन अन्य राज्यों में उसका पर्याप्त विस्तार न होने के कारण अभी उसका दर्जा राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त दल का ही है। यह दर्जा चुनाव आयोग देता है। राष्ट्रीय दर्जा पाने के लिए लोकसभा या विधानसभा चुनावों में न्यूनतम 4 राज्यों में कुल वैध वोटों का कम से कम 6 प्रतिशत प्राप्त किया हो। साथ ही लोकसभा में कम से कम 4 सीटें होनी चाहिए। या, लोकसभा चुनावों में कम से कम तीन विभिन्न राज्यों से कुल सीटों का 2 प्रतिशत यानी 11 सीटें जीती हों। सपा के पास लोकसभा में इस मानक से कहीं ज्यादा सीटें पर हैं, पर यह सिर्फ यूपी में ही हैं। यूपी के बाहर सपा के महाराष्ट्र में दो विधायक और गुजरात में एक विधायक जीता था, पर राष्ट्रीय पार्टी के मानक से अभी पार्टी काफी दूर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि उनका लक्ष्य राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने का है। इसी रणनीति के तहत सपा ने असम में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। सूत्रों के मुताबिक, सपा मुस्लिम बहुल इलाके की कम से कम पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खुद भी चुनाव प्रचार में जाने की संभावना है।

पीडीए ही सामाजिक न्याय की गारंटी है

समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी की पिछड़े, दलित, अल्पसंख्याक विचारधारा की सराहना करते हुए कहा कि इससे समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। एसपी प्रमुख ने प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करने और न्याय दिलाने के लिए पीडीए के लोगों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यादव ने कहा कि आने वाले समय में, पीडीए सरकार न केवल सामाजिक न्याय बल्कि सामाजिक न्याय के शासन को स्थापित करने के लिए मिलकर काम करेगी। पीडीए के लोग और समाजवादी लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार और गरिमा को सुनिश्चित किया जाए। सपा प्रमुख ने कहा,राजनीति को समझने वाले जानते थे कि भाजपा क्या कदम उठाएगी। इससे पहले जनवरी में, अखिलेश यादव ने मतदाताओं और पीडीए संरक्षकों से अपील की थी कि वे यह सुनिश्चित करें कि पीडीए समुदाय के वोट विभाजित न हों। उन्होंने एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो के नारे के साथ एकता के महत्व पर जोर दिया। यादव ने चेतावनी दी कि मतदाता सूचियों में छूटे हुए नामों का भाजपा सरकार द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है ताकि नागरिकों को सरकारी योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित किया जा सके। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी को अपने नागरिक आईडी की तरह मानने और मतदान करते समय सतर्क रहने का आग्रह किया।

संवैधानिक पदों का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि संवैधानिक पदों का सम्मान होना चाहिए व उनका राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। मायावती ने 8 मार्च को अपने ट्वीट में लिखा, भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना एवं इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी तथा इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है।

वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ वे आदिवासी समाज से भी हैं। लेकिन अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे के लेकर जो कुछ भी हुआ वह नहीं होना चाहिए था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण। बसपा अध्यक्ष ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, इसी प्रकार, पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का भी जो राजनीतिकरण कर दिया गया है, यह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान व उनकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिये तो यह बेहतर होगा। इसी क्रम में संसद का कल से शुरू हो रहा सत्र देश व जनहित में पूरी तरह से सही से चले, यही लोगों की अपेक्षा व समय की भी माँग।

टीवीके की सरकार बनने पर महिला सशक्तिकरण और शिक्षा को बढ़ावा देंगे : विजय

अभिनेता-राजनेता विजय ने अपनी पार्टी के चुनावी वायदे गिनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अभिनेता-राजनेता विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) की ओर से कई बड़े चुनावी वादे किए हैं, जिनमें प्रति परिवार सालाना छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, महिला मुखियाओं को 2,500 मासिक भत्ता और स्कूली शिक्षा के लिए 15,000 की वार्षिक सहायता शामिल है। इन घोषणाओं का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और शिक्षा को बढ़ावा देना है।

अभिनेता और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने महिलाओं के सशक्तिकरण और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई चुनावी वादे किए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि उनकी पार्टी प्रत्येक परिवार को प्रति वर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराएगी, महिला अधिकार भत्ता

बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह करेगी और उनके प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए एक अलग विभाग का गठन करेगी। सभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि प्रत्येक परिवार को प्रति वर्ष 6 नि:शुल्क एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। महिला अधिकार भत्ता बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह किया जाएगा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए एक अलग विभाग बनाया जाएगा, जो मेरे सीधे पर्यवेक्षण में कार्य करेगा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना हमारे मूलभूत सिद्धांतों में से एक है। महिलाओं और बच्चों के लिए एक अलग विभाग स्थापित किया जाएगा। 60 वर्ष की आयु तक की सभी महिला मुखियाओं को 2,500 रुपये की मासिक सहायता प्रदान की जाएगी।

हालांकि, राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को इस योजना से छूट दी जाएगी। विजय ने अन्नपूर्णी सुपर सिक्स योजना की भी घोषणा की, जिसके तहत प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे, और अन्नन सीर योजना की भी घोषणा की, जिसके तहत दुल्हनों को विवाह रिवाज के तौर पर एक सोना और रेशमी साड़ी उपहार में दी जाएगी।

केंद्र ने छीना प्रदेश का हक : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री बोले- हिमाचल के 1500 करोड़ नहीं दिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

(सिरमौर)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि केंद्र ने हिमाचल को आपदा राहत के घोषित 1500 करोड़ रुपये नहीं दिए। इसके साथ ही राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को बंद करके हिमाचल का हक छीना है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नाहन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने सत्ता संभालने के बाद से हर साल आपदा झेली। प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ प्रदेश में राजनीतिक आपदा का सामना भी सरकार ने डटकर किया है। 2025-26 में भी भयंकर आपदा आई, नौ हजार घर पूरी तरह से नष्ट हुए। सभी को प्रदेश सरकार ने राहत पहुंचाई। घर नष्ट होने वाले प्रभावित परिवारों को 8-8 लाख की राहत राशि दी। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक राशि मंडी में नेता प्रतिपक्ष

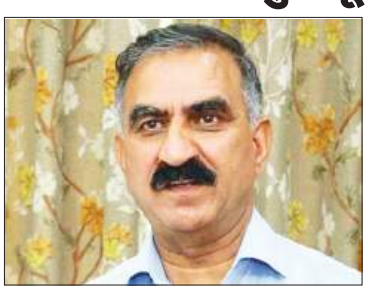

जयराम ठाकुर के गृह क्षेत्र में दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष आपदा के बाद यहां का दौरा किया और 1500 करोड़ रुपये राहत राशि देने की घोषणा की गई, लेकिन यह राशि आज तक प्रदेश को नहीं मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक फरवरी, 2026 प्रदेश के इतिहास का काला दिन है, जब केंद्र सरकार ने राज्य के लोगों को आरडीजी के रूप में प्रति वर्ष मिलने वाली 10 हजार करो? की आर्थिक सहायता बंद कर दी। हिमाचल एक छोटा राज्य है, इसके आय के साधन सीमित हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अगर पूर्वांचल अलग राज्य बना, राजभर समाज से ही होगा सीएम : राजभर

32 वर्षों से वंचितों के लिए लड़ रहा हूं लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समरसता रैली में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पिछड़े समाज की एकता, शिक्षा और अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। कहा कि यदि पूर्वांचल राज्य का गठन होता है तो मुख्यमंत्री राजभर समाज से होगा। लोगों से कहा कि कलम की ताकत को पहचानें, कलम बनें और कलम की ढक्कन न बनें।

विधानसभा और लोकसभा में

पढ़ी-लिखी पिछड़े समाज की महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछड़े समाज की बेटियों को मुफ्त शिक्षा दिलाने के लिए सरकार से बातचीत की जाएगी, ताकि वे पढ़-लिखकर समाज और देश के विकास में योगदान दे सकें।

वर्ष 2024 में उन्होंने संविधान का हवाला देकर चुनाव जीता है और संविधान के प्रावधानों को लागू कराने के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि वह पिछले 32 वर्षों से गरीबों और वंचितों को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कक्षा छह, सात और आठ के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जरूरत पड़ने पर राजनीति करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजी मियां का मेला बंद कराकर महाराजा सुहेलदेव के नाम से मेला आयोजित कराने की पहल की है।

आरक्षण के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बसपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि 1993 में पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण मिला, लेकिन 32 वर्षों में उन्हें उनका पूरा अधिकार नहीं मिल पाया।

तमिलनाडु में विस चुनाव करीब आ रहे हैं चुनावी समीकरण नए-नए रंग दिखा रहे

- केंद्र ने राज्यपाल एन रवि को हटाया
- डीएमके ने की भाजपा को रोकने की पूरी तैयारी
- कांग्रेस से सीटों को लेकर बात बनी
- आप ने भाजपा पर नकेल के लिए दिया डीएमके का साथ
- एआईडीएमके ने भी बनाई योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। जैसे-जैसे दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में विस चुनाव करीब आ रहे हैं वहां का चुनावी समीकरण नए-नए रंग दिखा रहा है। राज्यपाल एन रवि का वहां तबादला करके बंगाल भेज दिया गया है। बीजेपी डीएमके को किसी भी तरह से सत्ता में आने से रोकना चाहती है। वहीं सीएम स्टालिन जनता के लिए राज्य को खजाना तो खोल ही रहे हैं साथ ही अपनी पार्टी को जीत के मंत्र भी सीखा रहे हैं। इसबीच हिंदी को लेकर भी भाजपा व डीएम के में वार पलटवार जा रही है।

केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने सीएम स्टालिन के हिंदी थोपने के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि केंद्र ने कभी हिंदी नहीं थोपी, बल्कि पीएम मोदी ने तमिल को वैश्विक सम्मान दिलाया है। यह विवाद स्टालिन द्वारा एक भाषा, तीन लिपि नीति के तहत हिंदी नामों को तमिल में लिखने की आलोचना के बाद गहराया है, जो तमिलनाडु में भाजपा और डीएमके के बीच भाषाई तनाव को दर्शाता है। इन सबके बीच आम आदमी पार्टी-आप ने डीएमके के साथ गठबंधन के लिए बातचीत शुरू कर दी है, जिसका लक्ष्य राज्य में भाजपा के विस्तार को रोकना है। आप के प्रदेश संयोजक एस ए एन वासीगरन ने विश्वास जताया कि पार्टी को डीएमके गठबंधन में अच्छी सीटें मिलेंगी, जिससे आप दक्षिण में एक बड़े अवसर के रूप में उभरेगी। राज्य सरकार और केंद्र के बीच लगातार खींचतान चल रही है, जहां डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार भाजपा पर हिंदी थोपने का आरोप लगा रही है। इसी बीच, राज्य ने दो-भाषा फॉर्मूले वाली राज्य शिक्षा नीति भी लागू की है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन एआईएडीएमके-भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ राज्य में अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेगा।

जीत के लिए कसी कमर, डीएमके ने बनाया मास्टर प्लान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के नेताओं और कार्यकर्ताओं को 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य सम्मेलन में आमंत्रित किया। एक खुले पत्र में एमके स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान किया। स्टालिन ने लिखा कि हमारे नेता कलाइग्नार के प्रिय भाइयों और बहनों, जो हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं, आप में से ही एक द्वारा लिखा गया यह निमंत्रण त्रिची सम्मेलन में है।

स्टालिन ने कहा कि मैं आप सभी साथियों को द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के भव्य विशेष चुनाव सम्मेलन में देखने के लिए उत्सुकता से यह पत्र लिख रहा हूँ, जो द्रविड़ राजनीति का महान आंदोलन है और वीर योद्धाओं के गढ़ त्रिची में स्टालिन का शासन जारी रहे- तमिलनाडु की जीत हो के विषय पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली के सिरुगनूर में पार्टी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें पार्टी मुख्यालय से लेकर शाखा इकाइयों तक, पार्टी के सभी स्तरों के लगभग दस लाख पार्टी प्रशासक शामिल होंगे। 2026 का चुनाव हमारी सारी मेहनत का फल पाने का समय है। उस चुनावी मैदान के लिए खुद को तैयार करने के लिए हम त्रिची के सिरुगनूर में एकत्रित हो रहे हैं।

भाजपा हिंदी थोपने के अपने जुनून में सारी हदें पार कर रही : स्टालिन

मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक पोस्ट में कहा कि भाजपा सरकार द्वारा हिंदी थोपना- प्रवेश द्वार पर ही उच्चारण में मुश्किल नाम! भाजपा हिंदी थोपने के अपने जुनून में सारी हदें पार कर रही है! केंद्र भाजपा सरकार ने एक भाषा, तीन लिपियाँ की नीति अपनाकर हिंदी थोपने का घिनौना काम किया है, जहाँ हिंदी नामों को सीधे तमिल और अंग्रेजी लिपियों में लिखा जा रहा है! उन्होंने हिंदी थोपने के उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि तिरुचिरापल्ली रेलवे मंडल कार्यालय में भाजपा ने कर्तव्य द्वार को तीन लिपियों में लिखा है। उन्होंने कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालयों को भविष्य निधि भवन नाम से संबोधित करने पर भी आपत्ति जताई।

तमिलनाडु के मंत्री ने नेहरू की प्रशंसा की

तमिलनाडु के मंत्री और तिरुचिरापल्ली पश्चिम के विधायक केएन नेहरू की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को मैंने व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रशासक को निमंत्रण पत्र भेजा था। मैं अपनी आंखों के सामने उस पत्र को आप तक पहुंचते हुए देख सकता हूं। जब भी त्रिची में कोई सम्मेलन होता है, वह पार्टी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ होता है। और जब हम किसी पार्टी सम्मेलन के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले हमारे प्रधान सचिव और आदरणीय मंत्री, प्रिय भाई के.एन. नेहरू का नाम हमारे मन में आता है। उन्होंने त्रिची में जितने भी राज्य सम्मेलन, क्षेत्रीय सम्मेलन और विशेष सम्मेलन आयोजित किए हैं, वे सभी भव्य और प्रभावशाली रहे हैं, और हमारे आंदोलन के इतिहास में मजबूती से अंकित हैं। जैसा कि मैं अक्सर कहता हूं, अगर नेहरू हैं, तो सम्मेलन है; अगर सम्मेलन है, तो नेहरू हैं। आज भी वे सम्मेलन की व्यवस्थाओं को बड़ी कुशलता से संभाल रहे हैं। अगर कलाइग्नर आज हमारे साथ होते, तो वे कहते नेहरू मेरु (एक महान पर्वत) के समान हैं। साथियों, त्रिची की ओर आगे बढ़ो।

एमके गठबंधन के साथ यात्रा करने की योजना : आप नेता वासीगरन

आप नेता वासीगरन ने कहा कि हम डीएमके गठबंधन के साथ यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। हमारे नेता एमके स्टालिन से जरूर बात करेंगे और हमें अच्छी खासी सीटें जरूर मिलेंगी, और, वक्कदक्षिण में एक बहुत बड़ा अवसर साबित होगी। गठबंधन के लिए सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने को लेकर खींचतान तब शुरू हुई जब डीएमके ने कांग्रेस को 25 सीटें देने की पेशकश की, जबकि पार्टी इससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद कर रही थी। 1 मार्च को तमिलनाडु के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रभारी गिरीश चोडंकर ने एएनआई को बताया कि उन्होंने हमें 25 सीटें देने की पेशकश की, लेकिन यह हमें स्वीकार्य नहीं है। हम जो चाहते थे, वह हमने उन्हें दे दिया है।

सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस से हाथ मिलाया

धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन के लिए सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस से हाथ मिलाने के बाद, स्टालिन ने गठबंधन की राजनीति की सराहना की। डीएमके ने आगामी चुनावों के लिए अपने सहयोगी कांग्रेस को 28 सीटें आवंटित की हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 12वें राज्य सम्मेलन में लगभग 10 लाख कार्यकर्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। यह आयोजन 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले हो रहा है, जिसमें पार्टी के चुनावी वादों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं होने की संभावना है। इस भव्य आयोजन के लिए कुछ ही दिन शेष बचे हैं, ऐसे में पार्टी नेता और आयोजक त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सिरुगानूर में तैयारियों को तेज कर रहे हैं।

आप ने डीएमके से की बात

विधानसभा चुनाव से पहले, तमिलनाडु स्थित आप इकाई के संयोजक एस ए एन वासीगरन ने कहा कि पार्टी इस चुनाव में भाग लेने की योजना बना रही है और वक्कनेता सीटें हासिल करने के लिए एमके स्टालिन से जरूर बात करेंगे। चेन्नई में हुई बैठक के बाद वासीगरन ने कहा कि हम आगामी विधानसभा चुनावों के लिए DMK मुख्यालय में चर्चा करने आए थे। हमने डीएमके की समन्वय समिति से बात की। हम इस चुनाव में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। इसलिए हमने कुछ सीटों का अनुरोध किया है। तमिलनाडु में हमें भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकना है, उसे रोकना है। इसलिए हमें एक मजबूत गठबंधन की जरूरत है। पिछली बार संसद चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर एक बहुत बड़ा गठबंधन बना था, जिसमें आप पार्टी भी शामिल थी और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल ने भी उसका समर्थन किया था।

तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों के लिए 2026 के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे

गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों के लिए 2026 के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे, जहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए द्रविड़ मॉडल 2.0% का नारा लगाएगा। 2021 के चुनावों में डीएमके ने 133 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 18, पीएमके ने पांच, वीसीके ने चार और अन्य ने आठ सीटें जीतीं। डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए), जिसमें कांग्रेस भी शामिल थी, ने कुल 159 सीटें जीतीं। एनडीए ने 75 सीटें जीतीं, जबकि एआईएडीएमके 66 सीटों के साथ गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

केंद्र सरकार ने कभी भी किसी राज्य पर हिंदी थोपी नहीं : एल मुरुगन

केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन ने कहा कि केंद्र सरकार ने कभी भी किसी राज्य पर हिंदी थोपी नहीं है और केंद्रीय भर्ती परीक्षाओं में तमिल उम्मीदवारों के लिए अवसरों का विस्तार करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। पत्रकारों से बात करते हुए मुरुगन ने कहा कि केंद्र सरकार ने कभी भी कहीं भी हिंदी नहीं थोपी है। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता

संभालने के बाद ही उम्मीदवारों को अर्धसैनिक भर्ती परीक्षाएं तमिल में लिखने की अनुमति मिली। उन्होंने तमिल भाषा को विश्व स्तर पर गौरव दिलाया। तिरुक्कुरल का विश्व भर में 35 से अधिक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है... डीएमके ने तमिल भाषा के विकास के लिए कौन सी ठोस योजनाएं लागू की हैं? उनकी यह टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा केंद्र सरकार पर एक बार फिर राज्य में हिंदी थोपने का आरोप लगाने के बाद आई है, इस बार एक भाषा, तीन लिपि नीति की आड़ में। मुख्यमंत्री स्टालिन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार उच्चारण में मुश्किल हिंदी नामों को अंग्रेजी और तमिल लिपियों में हूबहू लिख रही है, और उन्होंने भाजपा को हिंदी थोपने के उसके जुनून के खिलाफ चेतावनी दी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अहंकार छोड़कर सब एक साथ आएं

> "खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं, इसलिए क्षेत्रीय अस्थिरता उनके रोजगार और सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकती है। भारत की सभी सियासी दलों को इस संकट की घड़ी में एक साथ व एक जुट होकर देश के लिए खड़े होना होगा। इस समय सत्ता पक्ष को भी अपना अहंकार छोड़कर विपक्ष से भी विचार-विमर्श करके देश हित में फै सला लेना चाहिए।

पश्चिमी एशिया में जारी तनाव भारत के लिए खतरे कस संकेत है। भारत के लिए यह स्थिति बहुस्तरीय चुनौती प्रस्तुत करती है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी से आयात करता है, यदि तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई, चालू खाता घाटा और आर्थिक दबाव बढ़ सकते हैं। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं, इसलिए क्षेत्रीय अस्थिरता उनके रोजगार और सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकती है। भारत की सभी सियासी दलों को इस संकट की घड़ी में एक साथ व एक जुट होकर देश के लिए खड़े होना होगा। इस समय सत्ता पक्ष को भी अपना अहंकार छोड़कर विपक्ष से भी विचार-विमर्श करके देश हित में फैसला लेना चाहिए। कूटनीतिक स्तर पर भारत के इजरायल के साथ रक्षा, कृषि और तकनीकी सहयोग मजबूत हैं, वहीं ईरान के साथ ऐतिहासिक संबंध और चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाएं रणनीतिक महत्व रखती हैं, ऐसे में भारत को सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए रखना होगा। वैश्विक मंचों पर भारत रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाता है और किसी एक खेमे में खुलकर शामिल होने से बचता है, पर बढ़ता वैश्विक ध्रुवीकरण इस नीति को और जटिल बना देता है।

कुल मिलाकर, ईरान-इजरायल संघर्ष केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि शक्ति -संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता का प्रश्न है। अधिकांश बड़ी शक्तियां व्यापक युद्ध से बचना चाहती हैं क्योंकि आर्थिक और राजनीतिक नुकसान बहुत बड़ा है, इसलिए संभावना यही है कि टकराव सीमित या प्रॉक्सी रूप में चलता रहे, फिर भी उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देती रहेगी। इजरायल और ईरान के पड़ोसी देशों की स्थिति भी जटिल है, लेबनान पहले से आर्थिक संकट में है और वहां हिजबुल्लाह की सक्रियता उसे सीधे युद्ध में खींच सकती है, सीरिया लंबे समय से बाहरी शक्तियों के टकराव का मैदान बना हुआ है। इराक में ईरान समर्थित गुट सक्तिय हैं, जबकि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी संतुलन साधने की कोशिश कर रहे हैं। अमरीका मध्य-पूर्व की राजनीति में ईरान और इजरायल के बीच तनाव नया नहीं है। यह दशकों पुराना वैचारिक, सामरिक और भू-राजनीतिक संघर्ष है, जो सीधे युद्ध से अधिक छाया युद्ध के रूप में सामने आता रहा है। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद तेहरान की नई सत्ता ने इजरायल को वैध राज्य के रूप में स्वीकार नहीं किया और तभी से दोनों देशों के रिश्ते टकराव में बदल गए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बनी रहे शिक्षक की गरिमा

कृष्ण कुमार

वर्ष 1990 के दशक के मध्य में नई आर्थिक नीतियों से जो बड़ी उम्मीदें जगी थीं, उनमें से एक यह थी कि लाइसेंस-इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। शायद काम-धंधे की दुनिया में ऐसा हुआ भी, लेकिन शिक्षा जगत में, 'लाइसेंस' और 'इंस्पेक्शन', दोनों के, तौर-तरीके और मजबूत हुए। स्कूल शिक्षा में, इंस्पेक्टर यानी निरीक्षक शब्द आम था और इस पद के कई स्तर थे। महान हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने 20वीं सदी की शुरुआत में 'सब-डिप्टी इंस्पेक्टर' के तौर पर काम किया। उनका आभार कि उन्होंने ब्रिटिश राज में विद्यालय निरीक्षण का क्या मतलब हुआ करता था, इसकी साफ निशानियां अपनी कहानियों में वर्णित की हैं। ऐसा नहीं कि निरीक्षक वाली भूमिकाएं और इंस्पेक्शन संस्कृति बीते ज़माने की हैं वे आजादी और नई आर्थिक एवं शिक्षा नीति के बाद भी बची हैं। स्कूल निरीक्षण आज भी ऐसा आयोजन है, जिसमें जहां निरीक्षण करने वाला विभाग अपनी ताकत प्रदर्शित करता है वहीं स्कूल स्टाफ विनम्रता दिखाता है।

उनके पास नर्मी दिखाने के अलावा कोई चारा भी नहीं। निरीक्षण संस्कृति औपनिवेशिक काल के दिनों से नहीं बदली। हेडमास्टर को सुनिश्चित करना होता था कि स्कूल भवन साफ -सुथरा दिखे, गलियारे में गमले सजे हों। बच्चों को होशियार और अध्यापकों को काम में खोए दिखना होता था। अगर कहीं छत में छेद होते, तो उन्हें चिथड़ों से या जो भी हाथ लगे, उससे ढांप दिया जाता था। अगर फ़र्श पर गड्ढे होते, तो हेडमास्टर उन्हें छिपाने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते थे। गांधीवादी शिक्षाशास्त्री मार्जोरी साइक्स, जो असल में एक ब्रिटिश नागरिक थीं, ने इस लेखक को बताया कि भारत में होने वाला विद्यालय निरीक्षण इंग्लैंड में निरीक्षण से एकदम उल्ट होता था। वहां हेडमास्टर छेदों के चारों ओर चॉक से गोले खिंचवा देते थे, ताकि सुनिश्चित हो कि वह इंस्पेक्टर की नज़रों में आ जाए और वह मरम्मत का काम करवाए। न कोई डर था, न असलियत छिपाने की जरूरत थी। माना गया था कि उदारवाद की आमद से न केवल व्यापार बल्कि हर क्षेत्र में नौकरशाही कमजोर होने के साथ इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। लेकिन शिक्षा क्षेत्र में, निरीक्षक राज उल्टा उच्च शिक्षा तक फैल गया।

एक्रेडिटेशन (मानकीकरण) और रैंकिंग नई प्रथा के तौर पर शुरू किए गए, और उनकी वजह से निरीक्षण टीमों द्वारा यूनिवर्सिटी और कॉलेज निरीक्षण अनिवार्य हो गया। जब 'नैक' (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) एक इंस्पेक्शन टीम भेजती है, तो कॉलेज व यूनिवर्सिटी के अधिकारी कैंपस सजा देते हैं, आगंतुक टीम को प्रभावित करने

के लिए शानदार डेटा डिस्प्ले एवं खूबसूरत फ्लेक्स तैयार किए जाते हैं। इसके सदस्य 'अन्य तरीकों से अपनी तसल्ली' करवाए जाने की अपेक्षा रखते हैं -महज साफ-सुथरे शौचालयों और पौधे लगाने भर से नहीं। अगर टीम उच्चतम ग्रेड से कम की रैंकिंग देती है, तो बताए गए कारण अकसर असली कहानी नहीं होते। हर कोई जानता है कि संस्थान मुखिया आंगतुकों को खुश करने में नाकाम रहा। 19 फरवरी की एक खबर दिखाती है कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान और उसके बाद अध्यापकों को किन जोखिमों का सामना करना पड़ता है। पंजाब के शिक्षा मंत्री ने लुधियाना ज़िले के माछीवाड़ा में एक प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उसके बाद संबंधित अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पूछा गया कि निरीक्षण के दौरान उनकी कक्षा के विद्यार्थी पंजाबी में लिखा क्यों नहीं पढ़ पाए और दिए गए गणित के आसान सवाल क्यों नहीं हल कर पाए? हम बीच-बीच में से चुने गए बच्चों के बारे में नहीं जानते। क्या वे पंजाबी भाषी परिवारों से थे, और वे कब से पंजाबी पढ़ना सीख रहे थे? किस किस्म की पठन सामग्री उपयोग की गई? अध्यापकों को किस किस्म के संस्थानों में प्रशिक्षण मिला? क्या बच्चे उस वक्त घबरा गए, जब अनजान लोगों ने उन्हें अचानक खड़े होकर जोर से पढ़ने और गणित के सवाल हल करने के लिए कहा होगा? ऐसे सवाल मंत्री की निरीक्षण टीम की नजर से ओझल हैं। मुझे जरा संदेह नहीं कि इसके सदस्यों को पंजाब के डाइट यानी डिस्ट्रिक्ट इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की दुर्दशा के बारे में पता नहीं होगा। यह जरूरी ढांचा था जो अध्यापन स्तर को बनाए रखता है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत अन्य और कई ढांचे बनाए गए। वे भी अब खस्ताहाल हैं।

वास्तव में, अध्यापक नीत शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है, निजी शिक्षा संस्थानों में तो हाजिरी भी जरूरी नहीं। निरीक्षण टीमों को ऐसी बारीकियों में कोई दिलचस्पी नहीं। उन्हें तो बस प्रदर्शन चाहिए- बच्चों का प्रदर्शन जो अध्यापकों की काबिलियत का सबूत दर्शाता हो। माछीवाड़ा की कहानी में एक विडंबना यह है कि वह प्राथमिक विद्यालय स्मार्ट स्कूलों की सूची में शामिल है। इस शीर्षक का मतलब है कि स्कूल इंटर-एक्टिव पेडागॉजी (दोतरफा संवाद से पढ़ाई) के लिए जरूरी डिजिटल उपकरणों से लैस है। पिछले एक दशक में डिजिटल उपकरणों पर आधिकारिक विश्वास तेजी से बढ़ा है। जिसे कोविड-19 महामारी ने और बढ़ाया।

निजी आजादी संग पारिवारिक मूल्य अक्षुण्ण रहें

डॉ. सुधीर कुमार

भारतीय पारिवारिक विधि और सामाजिक ढांचा आज एक चौराहे पर है, जहां 'पवित्रता' के प्रतिमानों की जगह 'समानता' की चुनौतीपूर्ण परिभाषाएं गढ़ी जा रही हैं। जो विवाह कभी सात जन्मों का 'संस्कार' था, आज महानगरीय संस्कृति की चकाचौंध में उसका आध्यात्मिक आवरण उतर चुका है। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा शिवांगी बंसल बनाम साहिब बंसल (2025) में दिया गया हालिया निर्णय महज एक कानूनी विवाद नहीं, बल्कि समकालीन रिश्तों का वह आईना है जहां 'जज़्बात और त्याग' के पारंपरिक मूल्यों पर 'अधिकार और व्यक्तिगत स्वायत्तता' हावी दिखे हैं। शिवांगी-साहिब विवाद महज एक गृह-कलह नहीं, बल्कि महानगरों के उस 'क्लब कल्चर' का आईना है जहां रिश्ते इंस्टाग्राम रील की तरह चमकते तो हैं, पर हकीकत में कांच जैसे क्षरणशील होते हैं।

साहिब द्वारा पत्नी के देर रात तक बाहर रहने को 'क्रूरता' बताना नियंत्रण चाहने वाली पितृसत्तात्मक मानसिकता का पर्याय है। वहीं, शिवांगी की दलीलें नारीवादी चेतना का प्रतीक हैं जो वैवाहिक रिश्ते हेतु अपनी स्वतंत्रता से समझौते को तैयार नहीं। टकराव दर्शाता है कि रिश्तों की बुनियाद अब 'शुचिता' के बजाय 'स्वच्छंद जीवन' और व्यक्तिगत पहचान पर टिकी है। कानूनी परिप्रेक्ष्य से मामले में न्यायपालिका का रुख विधिक विद्वानों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है। न्यायालय ने समाजशास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान रोस्को पाउंड के 'सोशल इंजीनियरिंग' सिद्धांत का सूक्ष्मता से हवाला देते हुए प्रतिपादित किया कि कानून कोई जड़ या मृत वस्तु नहीं है जिसे समय के साथ बदला न जा सके। यदि समाज की संरचना-जीवनशैली में तीव्र परिवर्तन आ रहे हैं, तो 'क्रूरता' जैसी विधिक अवधारणा भी पुन: परिभाषित हो। न्यायालय ने प्रगतिशील स्वर में कहा कि किसी महिला की पसंदीदा जीवनशैली , बाहर या क्लब जाना इसलिए 'मानसिक क्रूरता' या अपराध नहीं माना जा सकता क्योंकि वह एक 'पत्नी' है।

निर्णय उस मानसिकता पर प्रहार है जो संस्कारों के नाम पर व्यक्तिगत समानता की राह में बाधक रहा है। न्यायालय ने अनुच्छेद 21 में प्राप्त 'निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता' को वैवाहिक रिश्ते में भी अक्षुण्ण रखा है। दरअसल, महानगरीय चकाचौंध की चकाचौंध में जिस 'समानता' की तलाश है, वह अक्सर मर्यादाहीन 'स्वच्छंदता' का रूप ले लेती है। फलत: समर्पण और वफादारी को 'दकियानूसी' मानकर हाशिये पर धकेला गया है, जहां 'कमिटमेंट' से कहीं अधिक 'कम्फर्ट' और निजी सुख को प्राथमिकता दी जाती है। शिवांगी -साहिब का मामला सचेत करता है कि जब रिश्ते संवेदनाओं के बजाय केवल 'कानूनी अधिकारों' की जंग बन जाते हैं, तो संवाद खत्म हो जाता है। जब हम सिर्फ 'अधिकारों' की रट लगाते हैं और 'कर्तव्यों' को विस्मृत कर देते हैं, तो समानता का आदर्श खोखले अहंकार में बदल जाता है।

निस्संदेह, समाज में 'संस्कारों' की भूमिका पर एक दृष्टि की आवश्यकता है। संस्कारों का अर्थ दमन या दासता कभी नहीं था; बल्कि संस्कार वे नैतिक मूल्य थे जो एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति के प्रति संवेदनशील-उत्तरदायी बनाते थे। संस्कार ही रिश्तों को 'कॉन्ट्रैक्ट' बनने से रोकते हैं। कोई अनुबंध केवल लाभ-हानि पर टिका होता है, जबकि संस्कार त्याग-धैर्य पर। निस्संदेह, आधुनिकता के नाम पर जड़ों से कटने से हम उस स्थिति में होंगे, जहां व्यक्ति आजाद तो होगा, लेकिन पूर्णत: अकेला-असुरक्षित। आजादी का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार व्यवहार है। सामूहिक पारिवारिक सुख जिसकी प्राथमिकता है। बहरहाल, ऐसी चुनौतियों से निपटने को पहले अनिवार्य मध्यस्थता और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग को कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बनाना जरूरी है। अदालतों को सीधे मुकदमेबाजी के बजाय 'इगो ऑडिट' और विशेषज्ञों के जरिए संवाद पर जोर देना चाहिए, ताकि छोटे विवाद कानूनी पेचीदगियों में फंसकर बड़े हादसे न बनें। दूसरा बड़ा सुधार लैंगिक तटस्थता का होना चाहिए, जिसमें 'पर्सनल लॉ' को जेंडर न्यूट्रल बनाकर महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही पुरुषों के खिलाफ कानूनों के दुरुपयोग को भी रोका जा सके। युवाओं के लिए 'प्री-मैरिटल लीगल एजुकेशन' अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि वे विवाह से जुड़े कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और असली-नकली प्रताड़ना के अंतर को समझ रिश्तों के प्रति अधिक परिपक्व और सजग बनें।

इक्विटी बनाम इक्वेलिटी के बीच का संतुलन भी समझना आवश्यक है। समानता का मतलब एक-दूसरे की फोटोकॉपी बनना या एक-दूसरे का प्रतियोगी होना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे की विशिष्टता और गरिमा का सम्मान करना है। व्यक्ति का क्लब जाना उसका व्यक्तिगत चुनाव है, लेकिन यदि वह परिवार की बुनियाद को हिला रहा है, तो वहां 'संवाद और सामंजस्य' चाहिए, न कि कानूनी नोटिस। रिश्तों में 'समानता' की रोशनी जरूर हो, लेकिन उसमें 'संस्कारों और सम्मान' की खुशबू का बना रहना भी अनिवार्य है। हालिया प्रसंग समाज के लिए बड़ा सबक है कि कानून हमें बराबरी-आजादी तो दे सकता है, लेकिन घर का 'सुकून' पैदा नहीं कर सकता। यदि हमने समानता की दौड़ में नैतिकता-जुड़ाव को छोड़ा, तो यह स्वतंत्रता हमें अकेलेपन व कानूनी विवादों की ओर ले जाएगी। रिश्ते महज 'कानूनी समझौता' नहीं हैं।

अनिद्रा और घबराहट दूर भगाने के लिए करें ये योगासन

दिमाग जब डर और बेचैनी की जकड़ रहे, सांसें तेज चलने लगें और नींद आना बंद होने लगे तो समझ लीजिए, एंग्ज़ाइटी ने मन पर कब्ज़ा कर लिया है। इस समस्या में दवाइयां सहारा देती हैं, लेकिन गहराई तक राहत पहुंचाने का काम योग करता है। योग प्राचीन, पर हमेशा नया और असरदार रहने वाला उपाय है। योग सिर्फ शरीर की मुद्राएं बदलने तक सीमित नहीं है। यह मन को शांत करने, सांसों को संभालने और विचारों को स्थिर करने की विधा है। इसके अलावा कई बार व्यक्ति बहुत ज्यादा थकान महसूस करता है लेकिन बिस्तर पर लेटने पर भी नींद आने का नाम नहीं लेती। अगर आप भी इसी समस्या से गुजर रहे हैं तो हो सकता है कि आप भी उन चीजों का सेवन कर रहे हों जो नींद भगाने का काम करती हों। असल में नींद को प्रभावित करने वाले बहुत से फूड हैं जिनका जाने अनजाने या फिर अत्याधिक सेवन भी अनिद्रा और बेचैनी का कारण बनता है। कुछ ऐसे योगासन हैं जो एंग्ज़ाइटी को जड़ से खत्म कर मन में शांति और विश्वास बढ़ाता है। योग धीरे-धीरे, मगर अद्भुत रूप से असर करते हैं।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम

एंग्ज़ाइटी में सांसें ही सबसे पहले बिखरती हैं। उन्हें दोबारा पकड़ो। यानी अनुलोम-विलोम दिमाग की दो विपरीत दिशाओं को संतुलित कर तनाव को कम कर देता है। इसके अभ्यास के लिए सांसों पर नियंत्रण रखा जाता हैं। अनुलोम विलोम एक विशिष्ट प्रकार का योग है, जिसमें श्वास को नियंत्रित करके अभ्यास किया जाता है। इसे प्राणायाम भी कह सकते हैं। इस श्वास अभ्यास को रोजाना करने से तनाव कम होता है और बेहतर श्वास व रक्त परिसंचरण को बनाए रखने में मदद मिलती है। अनुलोम विलोम का अभ्यास करने के कई फायदे हैं। कई शोध से पता चला है कि अनुलोम विलोम का अभ्यास करने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं, जैसे हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, गठिया, माइग्रेन का दर्द, गंभीर अवसाद आदि से राहत मिलती है। अगर सही तरीके से रोजाना अनुलोम विलोम का अभ्यास किया जाए तो शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ बना रहता है। शारीरिक समस्याओं से बचाव के अलावा मानसिक स्थिति भी मजबूत होती है। अनुलोम विलोम करने से अवसाद, तनाव और चिंता दूर होती है। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसे श्वसन समस्याओं वाली बीमारी ठीक करने में अनुलोम विलोम फायदेमंद है।

शवासन

ये आसन शांत लेटने की कला है। इसमें शरीर को छोड़ देना होता है और दिमाग को खाली करना होता है। शवासन में शरीर-मन पूरी तरह रिलैक्स होते हैं और नर्वस सिस्टम रीस्टार्ट होता है। इसलिए किसी भी तरह का योग करने के बाद शवासन करना आपके ओवरऑल बॉडी के लिए जरूरी है। योग करने के बाद शवासन, शरीर की रिकवरी प्रक्रिया है, जो आपके द्वारा योग के दौरान शरीर पर डाले गए सभी दबाव के बाद की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान आपका शरीर संतुलन में वापस आता है। जब आप किसी भी तरह की कसरत करते हैं तो आपके बॉडी पार्ट ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, और शवासन करने से वो वापस नॉर्मल हो जाते हैं। यह तक की आपके हार्मोन भी नॉर्मल हो जाते हैं। इसके अलावा, यह आरामदायक मुद्रा शरीर को अच्छा महसूस कराने वाले न्यूरोकेमिकल्स को भी बढ़ावा देती है, जो पूरे दिन आपके मूड को अच्छा रखने में मदद करती है। शवासन के दौरान, आपके शरीर को अन्य योग के फायदों को पाने में मदद मिलती है। आप अपने शरीर के हर हिस्से को जागरूक करते हैं ताकि आपको आराम मिल सके। आपके शरीर को अभ्यास के दौरान होने वाले तनाव से उबरने का समय मिलता है।

बालासन

तनाव या अवसाद महसूस हो तो बालासन का अभ्यास करें। इस आसान में घुटनों पर बैठकर थोड़ा झुकना होता है, जिससे मन को कुछ विश्राम मिलता है। बालासन नर्वस सिस्टम को शांत करता है और चिंता को कम करता है। इसके अलावा बालासन कूल्हों, जांघों, और टखनों में मामूली सा खिचाव लाता है। बालासन से शरीर की खोई हुई ऊर्जा वापस आती है दिमाग़ को शांत करता है। जब बालासन को सिर और धड़ को सपोर्ट करके किया जाता है, तब यह पीठ और गर्दन में दर्द से छुटकारा दिलाता है। बालासन संपूर्ण शरीर को आराम देता है। इस आसन के अभ्यास से शरीर को आराम और ताजगी महसूस होती है।

हंसना मना है

बाप: मेरे 4 बच्चे है, पहला एमबीए, दूसरा एमसीए, तीसरा पीएचडी, चौथा चोर है। फ्रेंड: चोर को घर से निकालते क्यू नहीं? बाप: वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

रुपेश: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं, पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां, पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

रामू- यार मैंने अपनी बहन की डायमंड रिंग चुराकर गर्लफ्रेंड को दे दी, श्यामू- हरामखोर, दो दिन पहले खरीदकर दी थी तेरी बहन को, रामू- अबे मारता क्यों है बे साले तेरी बहन को ही तो दी है।

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का-शाहजहां जैसा, लड़की-तो ताजमहल बनवाओ, लड़का- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हूं।

संता ने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम ब्लेड से अपने हाथ पर लिखा। थोड़ी देर बाद वह जोर-जोर से रोने लगा। बंता-क्यों रो रहा है? संता-यार spelling गलत हो गई !

कहानी | अर्जुन और चिड़िया की आंख

एक दिन गुरु द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों की परीक्षा लेने का विचार किया। सभी को जंगल में बुलाया और एक पेड़ के सामने ले जाकर खड़ा कर दिया और कहा, शिष्यों, आज आप सभी की परीक्षा का दिन है। आज इस बात की परीक्षा होगी कि मेरे द्वारा दी गई धनुर्विद्या से आप सभी ने कितना सीखा है। इसके बाद द्रोणाचार्य ने उस पेड़ की तरफ इशारा करते हुए कहा, वहां देखो, उस पेड़ पर एक नकली चिड़िया लटकी है। मैं चाहता हूं कि आप सभी उसकी आंख पर निशाना लगाएं और तीर सीधा आंख के बीचों-बीच, उसकी पुतली पर जाकर लगना चाहिए। द्रोणाचार्य ने सबसे पहले युद्धिष्ठिर को बुलाया और पूछा, वत्स, तुम्हें इस समय क्या-क्या दिख रहा है? इस पर युद्धिष्ठिर ने जवाब दिया, गुरुदेव, आप, मेरे भाई, यह जंगल, पेड़, पेड़ पर बैठी चिड़िया व पत्ते आदि सब कुछ दिख रहा है। यह सुनकर द्रोणाचार्य ने युद्धिष्ठिर के हाथ से तीर कमान ले लिया और कहा कि वह इस परीक्षा के लिए अभी तैयार नहीं है। इसके बाद भीम को आगे बुलाया और उसके हाथों में तीर-कमान थमा दिया। फिर उन्होंने भीम से पूछा कि उसे क्या-क्या दिख रहा है। इस पर भीम ने जवाब दिया कि उसे भी गुरु द्रोणाचार्य, उसके भाई, पेड़, चिड़िया, धरती व आसमान सब कुछ दिख रहा है। गुरु द्रोणाचार्य ने उसके हाथों से भी धनुष-बाण वापस ले लिया और उसे अपने स्थान पर जा कर खड़े रहने को कह दिया। इस प्रकार गुरुदेव ने एक-एक करके नकुल, सहदेव और सभी कौरव पुत्रों को बुलाया और उनके हाथों में धनुष-बाण थमाते हुए, उनसे भी यही सवाल पूछा। उन सभी का जवाब भी कुछ इस प्रकार ही आया कि उन्हें गुरुदेव, भाई, जंगल, उसके आसपास की चीजें व पेड़ आदि दिख रहे हैं। इन जवाबों के बाद उन्होंने सभी को अपने-अपने स्थान पर वापस भेज दिया। आखिरी में अर्जुन की बारी आई। गुरुदेव ने उसे आगे बुलाया और धनुष-बाण उसके हाथों में दे दिया। फिर उन्होंने अर्जुन से पूछा, वत्स बताओ कि तुम्हें क्या दिख रहा है? अर्जुन ने कहा, मुझे उस चिड़िया की आंख दिख रही है, गुरुदेव। गुरुदेव ने पूछा, और क्या दिख रहा है तुम्हें, अर्जुन? मुझे उस चिड़िया की आंख के अलावा कुछ नहीं दिख रहा, गुरुवर, अर्जुन ने कहा। यह सुनकर कि अर्जुन चिड़िया की आंख के अलावा कुछ नहीं देख रहा, गुरु द्रोणाचार्य मुस्कुराए और कहा, तुम इस परीक्षा के लिए तैयार हो। निशाना लगाओ, वत्स। गुरु का आदेश मिलते ही अर्जुन ने चिड़िया की आंख पर तीर मारा और तीर सीधे उसके लक्ष्य पर जाकर लगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा।

वृषभ

एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है।

मिथुन

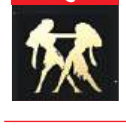

फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा।

कर्क

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं।

सिंह

कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें।

कन्या

घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। जल्दबाजी न करें।

तुला

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। व्यापार से लाभ होगा।

धनु

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

कुम्भ

नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। उत्साह बना रहेगा।

मीन

विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। थकान महसूस होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

2013 के बाद से कुछ अच्छे सिंगर और म्यूजिशियन का करियर गिरता गया : श्रेया

अरिजीत सिंह, श्रेया घोषाल, सोनू निगम, शान इंडस्ट्री के कुछ ऐसे सिंगर्स जिन्हें शायद ही कोई नापसंद करता होगा। अरिजीत सिंह ने कई फिल्मों में अपनी रुहानी आवाज दी और करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया। लेकिन हाल ही में प्लेबैक सिंगिंग से उनके रिटायरमेंट ने फैंस को थोड़ा निराश कर दिया। इसके साथ ही कई सवाल भी लोगों के मन में है कि आखिर करियर के पीक पर अरिजीत सिंह कुछ ऐसे खुलासे किए है जो फिल्म इंडस्ट्री में म्यूजिशियन और सिंगर्स के साथ चली गंदी राजनीति से पर्दा उठाते हैं। मनवा लागे, तेरी मेरी, बरसो रे, साथिया, मेरे ढोलना, हसी, चिकनी चमेली जैसे गानों को अपनी आवाज से सजाने वाली श्रेया घोषाल हाल ही में एक पॉडकास्ट में नजर आईं। जिसमें उनसे पूछा गया कि साल 2013 आपका डाउनफॉल वाला साल था, ऐसा आपने क्यों कहा था? श्रेया ने आगे बताया, ये वो साल था जब सिंगर्स को पता चला कि कौन किस मिट्टी का बना हुआ है और हमने स्टैंड लिया। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हुआ। लेकिन उसकी वजह से कुछ अच्छे सिंगर्स और म्यूजिशियन का करियर गिरता गया और नए लोग इंडस्ट्री में आते गए। आशिकी उसी टाइम आई और तब कुछ आशा जगी कि इंडस्ट्री में कुछ अच्छे लोग भी हैं जो सिंगर्स को सपोर्ट कर रहे थे। श्रेया ने संजय लीला भंसाली की देवदास से अपना सिंगिंग डेब्यू किया था। उन्होंने सिर्फ 16 साल की उम्र में बैरी पिया गाया था जिसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा उन्होंने सिलसिला ये चाहत का और डोला रे डोला भी गाया था। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों के गानों में अपनी आवाज दी और आज करोड़ों लोग उनके फैन हैं।

अक्षय कुमार की ओएमजी 3 में नहीं दिखेंगी रानी मुखर्जी

अक्षय कुमार वैसे तो कई फिल्म फ्रेंचायजी के लिए मशहूर हैं। मगर उनमें से उनकी सबसे सफल OMG फ्रेंचायजी है, जो अपने सोशल टॉपिक्स को भगवान के एंगल से दिखाने के लिए पसंद की जाती है। इसके दोनों पार्ट्स अभी तक बॉक्स ऑफिस पर हिट रहे। अब ओएमजी 3 को लाने की तैयारी जारी है।

फिल्म ओएमजी 3 से जुड़ी कुछ ही वक्त पहले एक बड़ी जानकारी सामने आई थी। कहा जा रहा था कि अक्षय की फिल्म में रानी मुखर्जी को कास्ट किया गया है। इसका नाम ह्द्ध स्4 त्रश्स्रस्रद्गह्यह्य रखा जाने वाला था, जिसमें रानी को देवी के रूप में दिखाने की बात थी। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर थी, लेकिन अब इसमें बड़ा ट्विस्ट आ चुका है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट अनुसार, रानी ने फिल्म से बाहर होने का फैसला लिया है। वजह, फिल्म के डायरेक्टर अमित राय से क्रिएटिव डिफरेंसेज बताई गई है। सूत्रों का कहना है, रानी मुखर्जी का स्क्रिप्ट को देखने का एक खास तरीका था और वो चाहती थीं कि डायरेक्टर अमित उनकी एक्सपीरियंस को फॉलो करें। लेकिन अमित के पास स्क्रिप्ट को लेकर पहले से बहुत मजबूत अलग विचार थे। दोनों एक ही पेज पर नहीं आ पाए, इसलिए रानी ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। हालांकि मतभेद होने के बावजूद रानी को स्क्रिप्ट बहुत पसंद थी। अब मेकर्स उस रोल के लिए कोई दूसरी एक्ट्रेस ढूंढ रहे हैं।

हालांकि मेकर्स की तरफ से अभी तक रानी के प्रोजेक्ट से जुड़ने या निकलने की कोई भी जानकारी कंफर्म नहीं की गई है। ये पहला मौका था जब अक्षय और रानी एक फिल्म में साथ नजर आते। इससे पहले दोनों ने ओम शांति ओम में कैमियो जरूर किया था, मगर बड़े पर्दे पर एक साथ नहीं दिखे थे। रानी मुखर्जी के प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो उन्हें हाल ही में मर्दानी 3 में देखा गया था। लगभग 3 साल के बाद एक्ट्रेस ने बड़े पर्दे पर वापसी की थी, जिसे फैंस ने भी खूब सराहा और अपना प्यार दिया। अब रानी जल्द शाहरुख खान के साथ किंग में नजर आएंगी, जो इस साल क्रिसमस पर रिलीज की जाएगी।

बैटल ऑफ गलवां के बाद एक्शन फिल्म में नजर आएंगे सलमान खान

सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां फिल्म की शूटिंग के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म साइन कर ली है। यह फिल्म एक बड़ा बजट वाली एक्शन थ्रिलर है। इसे तेलुगु के मशहूर प्रोड्यूसर दिल राजू बनाएंगे। निर्देशन वामशी पेडिपल्ली करेंगे, जो नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं और थलपति विजय की फिल्म वरिसु के डायरेक्टर हैं।

सलमान को वामशी पेडिपल्ली की फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। फिल्म में ढेर सारा एक्शन होगा और साथ ही मजबूत इमोशनल कहानी भी है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म होगी, जिसमें कई सितारे काम कर सकते हैं। अभी हीरोइन का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन एक जानी-मानी अभिनेत्री से बात चल रही है।

सलमान अभी अपूर्वा लखिया की फिल्म बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म 2020 के गलवान घाटी युद्ध पर आधारित है। इस फिल्म में सलमान के साथ मुख्य भूमिका में चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। यह अप्रैल 2026 पर रिलीज हो सकती है।

सलमान खान की आने वाली फिल्में

बैटल ऑफ गलवां पूरी होने के बाद, सलमान अप्रैल 2026 से नई फिल्म (दिल राजू वाली) की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है। इसके अलावा सलमान जल्द ही राज एंड डीके की एक सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं। सलमान के फैंस उनकी पिछली फिल्म सिकंदर के फ्लॉप होने के बाद अब नई हिट का इंतजार कर रहे हैं।

अजब-गजब

यहां पर होली पर भैंसागाड़ी पर बैठते हैं लाट साहब

होली पर रंग गुलाल की जगह उड़ते हैं जूते-चप्पल

ढोल की थाप, हवा में उड़ता गुलाल और भीड़ का शोरज तभी नजर आती है भैंसा गाड़ी। उस पर बैठा होता है 'लॉट साहब'—गले में जूतों की माला और सिर पर हेलमेट। लोग जयकारे भी लगाते हैं और जूते-चप्पल भी बरसाते हैं। सुनने में यह किसी फिल्म का दृश्य लगता है, लेकिन यह उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की एक अनोखी और सदियों पुरानी परंपरा है।

शाहजहांपुर में होली के मौके पर 'जूतेमार होली' और 'लॉट साहब जुलूस' हर साल चर्चा में रहते हैं। इस परंपरा के तहत एक व्यक्ति को अंग्रेज अफसर की तरह सजाकर भैंसा गाड़ी पर बैठाया जाता है। उसे 'लॉट साहब' कहा जाता है। जुलूस के दौरान उसके गले में जूतों की माला पहनाई जाती है और लोग उस पर जूते-चप्पल और झाड़ू फेंकते हैं। माना जाता है कि यह परंपरा अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ लोगों के गुस्से का प्रतीक है। करीब 300 साल से यह अनोखा आयोजन जारी है। लॉट साहब को हेलमेट पहनाया जाता है ताकि किसी तरह की गंभीर चोट न लगे, लेकिन प्रतीकात्मक विरोध के तौर पर जूतों की बौछार जारी रहती है।

ढोल की थाप, हवा में उड़ता गुलाल और भीड़ का शोरज तभी नजर आती है भैंसा गाड़ी। उस पर बैठा होता है 'लॉट साहब'—गले में जूतों की माला और सिर पर हेलमेट। लोग जयकारे भी लगाते हैं और जूते-चप्पल भी बरसाते हैं। सुनने में यह किसी फिल्म का दृश्य लगता है, लेकिन यह उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की एक अनोखी और सदियों पुरानी परंपरा है।

शाहजहांपुर में होली के मौके पर 'जूतेमार होली' और 'लॉट साहब जुलूस' हर साल चर्चा में रहते हैं। इस परंपरा के तहत एक व्यक्ति को अंग्रेज अफसर की तरह सजाकर भैंसा गाड़ी पर बैठाया जाता है। उसे 'लॉट साहब' कहा जाता है। जुलूस के दौरान उसके गले में जूतों की माला पहनाई जाती है और लोग उस पर जूते-चप्पल और झाड़ू फेंकते हैं। माना जाता है कि यह परंपरा अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ लोगों के गुस्से का प्रतीक है। करीब 300 साल से यह अनोखा आयोजन जारी है। लॉट साहब को हेलमेट पहनाया जाता है ताकि किसी तरह की गंभीर चोट न लगे, लेकिन प्रतीकात्मक विरोध के तौर पर जूतों की बौछार जारी रहती है।

यह जुलूस चौक क्षेत्र के फूलमती मंदिर से शुरू होकर कोतवाली तक पहुंचता है, जहां प्रतीकात्मक सलामी दी जाती है। इसके बाद शहर के अलग-अलग रास्तों से गुजरते हुए यह घंटाघर तक जाता है। शहर में दो अलग-अलग स्थानों से जुलूस निकलने की परंपरा है, जिससे माहौल और भी जोशीला हो जाता है।

पिछले साल हुए विवाद के बाद इस बार प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। करीब 30 इंस्पेक्टर, 150 उपनिरीक्षक, 600 हेड कांस्टेबल और दो कंपनी पीएसी तैनात की जा रही हैं। ड्रोन से निगरानी होगी और पूरे रूट पर बैरिकेडिंग की गई है। धार्मिक स्थलों को ढकने और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कई दौर की बैठकों के बाद तैयारियां पूरी की हैं।

भारत के पड़ोसी देश में मिला 6000 साल पहले विलुप्त अनोखा जीव!

कल्पना कीजिए एक ऐसे जीव की जो किसी गिलहरी की तरह पेड़ों पर दौड़ता है लेकिन उसके पेट पर कंगारू जैसी एक जादुई थैली बनी हुई है। वह एक चूहे जैसा छोटा है लेकिन हवा में सैकड़ों फीट लंबी छलांग लगाकर तैर सकता है। यह किसी हॉरर फिल्म का सीन नहीं बल्कि विज्ञान की दुनिया का सबसे बड़ा सच है। भारत के समुद्री पड़ोसी देश इंडोनेशियाई पापुआ के वर्षावनों में एक ऐसा 'जिंदा भूत' मिला है जिसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। जिसे हम सिर्फ पत्थरों और जीवाश्मों में ढूंढ रहे थे, वह अपनी बड़ी-बड़ी आंखों से हमें हकीकत में देख रहा है। यह कहानी है 'टूस' की। एक ऐसा जीव जिसे 6,000 साल विलुप्?त मान लिया गया था। वैज्ञानिकों ने इसे लाजरस प्रजाति घोषित किया है। यह शब्द उन जीवों के लिए इस्तेमाल होता है जो इतिहास के पन्नों से गायब हो जाते हैं और सदियों बाद अचानक जीवित मिल जाते हैं। यह जीव एक ग्लाइडिंग पॉसम है जो अपनी शारीरिक बनावट और व्यवहार में बेहद अनोखा है। कंगारू जैसी जादुई थैली- यह एक 'मार्सुपियल' जीव है जिसका अर्थ है कि यह अपने नन्हे बच्चों को जन्म देने के बाद पेट पर बनी एक विशेष थैली में सुरक्षित रखता है। **हवा में लंबी छलांग (ग्लाइडिंग):** इसके पास कुदरती पैराशूट जैसी एक झिल्ली होती है। यह ऊंचे पेड़ों से छलांग लगाकर हवा में तैरते हुए काफी दूर तक जा सकता है। **पकड़ने वाली मजबूत पूंछ:** इसकी पूंछ का निचला हिस्सा बिना बालों का होता है जो इसे पेड़ की टहनियों को किसी हाथ की तरह मजबूती से पकड़ने की ताकत देता है। **निशाचर रक्षक:** इसकी बड़ी और चमकदार आंखें इसे रात के घने अंधेरे में भी रास्ता दिखाने और शिकार ढूंढने में मदद करती हैं। **दुर्लभ प्रजनन:** यह प्रजाति बहुत संवेदनशील है क्योंकि यह साल भर में केवल एक ही बच्चे को जन्म देती है जिससे इसकी आबादी बढ़ाना एक बड़ी चुनौती है। अक्सर लोग इसे 'उड़ने वाली गिलहरी' समझ लेते हैं लेकिन विज्ञान के नजरिए से यह बहुत बड़ी गलती होगी। यह जीव कंगारू और कोआला के परिवार (मार्सुपियल) का सदस्य है। जहां गिलहरी पूरी तरह विकसित बच्चों को जन्म देती है, वहीं यह पॉसम अपने बच्चों को थैली में पालकर बड़ा करता है।

निशांत की जदयू में एंट्री पर बिहार में बवाल

विपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश पर जमकर साधा निशाना

» पिता के मार्गदर्शन में करूंगा काम : निशांत कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की जदयू में एंट्री को लेकर बिहार की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सियासी बवाल के बीच विपक्ष की ओर से सवाल उठने लगे। राष्ट्रीय जनता दल से जुड़ी रोहिणी आचार्य ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लिया है। रोहिणी आचार्य ने विदेश से ही सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रि या देते हुए नीतीश कुमार की राजनीति और उनके पूर्व के बयानों को लेकर तीखी टिप्पणी की। वहीं राजद ने परिवार वाद को लेकर भी जदयू को घेरा है।

लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को आधिकारिक रूप से जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण कर ली है। मौजूद जानकारी के अनुसार पटना स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई गई है। बताया जा रहा है कि निशांत कुमार को जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने पार्टी की सदस्यता दिलाई है। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी शामिल रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी पहुंचे और उन्होंने जोरदार स्वागत किया है। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद निशांत कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व और समर्थकों का धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें जो विश्वास दिया गया है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले करीब बीस वर्षों में उनके पिता ने बिहार के विकास के लिए जो काम किए हैं, उस पर पूरे बिहार और देश को गर्व है। निशांत कुमार ने यह भी कहा कि राज्य के लोग मुख्यमंत्री के योगदान को कभी नहीं भूलेंगे। साथ ही उन्होंने अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि यह उनका निर्णय है और वे उसका सम्मान करते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आगे भी वे अपने पिता के मार्गदर्शन में काम करते रहेंगे।

चाचा जी कहां चली गई परिवारवाद वाली थोथी दलील: आचार्य

रोहिणी आचार्य ने अपने बयान में लिखा कि चाचा जी, कहां विलुप्त हो गई दूसरों के संदर्भ में कही गई आपकी परिवारवाद वाली थोथी दलील व बेतुकी थ्योरी? आपकी कथनी और करनी में हमेशा बड़ा फर्क रहा है...। सच कहूं तो आप राजनीतिक व वैचारिक विरोधाभास की वो पराकाष्ठा रहे हैं, जिस पर सटीक बैठती है ये कहावत 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे'...। रोहिणी इस बयान को परिवारवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि रोहिणी आचार्य ने अपने संदेश में निशांत कुमार को राजनीति में आने के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने लिखा कि वैसे निशांत को मेरी तरफ से हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं...। राजनीति में स्वागत है निशांत का इस उम्मीद के साथ कि निशांत आपकी तरह कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के इतर जनसरोकार की राजनीति करेंगे और फासीवादी भाजपा के आगे आपकी तरह कभी मजबूर, लाचार और बेबस नहीं दिखेंगे...।

नीतीश को बिहार से निकाला जा रहा: राबड़ी

राष्ट्री जनता दल (आरजेडी) की नेता राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि भाजपा नीतीश कुमार को बिहार से बाहर धकेल रही है और राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद उन्हें बिहार नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नहीं है, बल्कि भाजपा की एक रणनीतिक चाल है। उनका इशारा है कि भाजपा (2025 के चुनावों में मिली भारी जीत के बाद एनडीए की वरिष्ठ सहयोगी) अब मुख्यमंत्री पद खुद चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा नीतीश कुमार को बिहार से बाहर निकाल रही है। उनका दिमाग खराब हो गया है। नीतीश कुमार को बिहार नहीं छोड़ना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी बिहार में आए एक बड़े राजनीतिक बदलाव के बीच आई है, जब नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ढकसोला खुला : एजाज अहमद

निशांत कुमार के जदयू में शामिल होने के बाद राजद ने भी अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर परिवारवाद और वंशवाद का आरोप लगाया है। इस संबंध में राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने नीतीश पर हमला करते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री परिवारवादी राजनीति पर जो बड़ी-बड़ी बातें किया करते थे वह सिर्फ ढकसोला था। अहमद ने मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि दरअसल नीतीश को अपने पुत्र को स्थापित करने के लिए मौके की तलाश थी और यह मौका उन्होंने अपने पुत्र को स्थापित करने के लिए अपने आप को राज्यसभा सदस्य के उम्मीदवार के तौर पर स्थापित करके भारतीय जनता पार्टी से अपनी शर्तों पर समझौता करके विरासत की राजनीति को एक नया आयाम देने का काम किया है। एजाज अहमद ने कहा कि जिस तरह से इवेंट बनाया गया है जिस तरह से निशांत कुमार को राजनीति में स्थापित करने के लिए तरह-तरह के पोस्टर बैनर के साथ-साथ हाथी, घोड़ा, ऊंट और बैंड बाजे के सहारे स्थापित किया गया है इससे ही पता चलता है कि नीतीश कुमार कितने बेचैन थे। अंततः जनता दल यू के अंदर कहीं ना कहीं नेतृत्व को स्थापित करने के लिए परिवारवादी राजनीति का ही सहारा लेना पड़ा और इस तरह की राजनीति इस तरह की सोच यह बताने के लिए काफी है कि जनता यू जो परिवारवाद की राजनीति की व्याख्या नीतीश कुमार के माध्यम से प्रस्तुत करती थी वह पूरी तरह से खोखला और नारों के अलावा कुछ नहीं था।

छत्तीसगढ़ में साय सरकार के संरक्षण में हो रही अफीम की खेती

» कांग्रेस का बीजेपी पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर । दुर्ग के समोदा गांव में एक खुलासा हुआ कि वहां पर एक फार्म हाउस के अंदर लगभग 10 एकड़ में अफीम की खेती हो रही थी। यह अफीम की खेती भाजपा नेता विनायक ताम्रकार करवा रहा था। विनायक ताम्रकर भाजपा के दुर्ग जिले का किसान मोर्चा का पूर्व अध्यक्ष है तथा वर्तमान में वह भाजपा के राईस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प का प्रदेश संयोजक है। भाजपा के सभी कार्यक्रमों में उसकी महत्वपूर्ण और सक्रिय भागीदारी रहती है। वह भाजपा का स्थापित नेता और प्रदेश पदाधिकारी है।

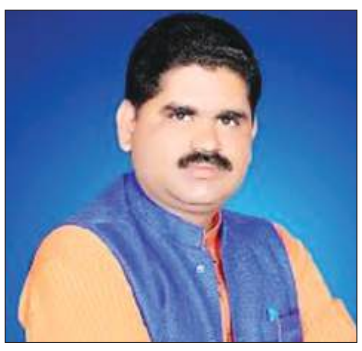

उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर के जिला अध्यक्ष लालू राठौर ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही है। लालू राठौर ने आगे कहा कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, तोखन साहू, गृह मंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, भाजपा के राष्ट्रीय नेता अजय जामवाल, शिवप्रकाश सहित अनेकों नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया में है। बिना सरकार के संरक्षण के कोई अफीम की खेती खुलेआम करे यह संभव नहीं है। भाजपा जब से सरकार में आई जुआ, सट्टा, शराब की तस्करी बढ़ गयी, नशे का कारोबार बढ़ गया, सत्ता में बैठे लोग इसको संरक्षण देते है।

कांग्रेस के लिए आखिरी सांस तक करूंगा काम

» दिग्विजय सिंह बोले- राज्यसभा का तीसरा कार्यकाल नहीं चाहता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने रिटायरमेंट को लेकर चल रही अटकलों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि वह सक्रिय राजनीति से दूर नहीं हो रहे हैं और कांग्रेस पार्टी के लिए जीवन की अंतिम सांस तक काम करते रहेंगे। दिग्विजय सिंह ने बताया कि हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दंपती का वीडियो साझा किया था, जो बैंक की नौकरी से रिटायर होने के बाद कार से पूरे देश की यात्रा पर निकल पड़े थे।

उन्होंने कहा कि यह वीडियो उन्होंने मजाकिया अंदाज में पोस्ट किया था, लेकिन इसके बाद उनके राजनीति से संन्यास लेने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। पूर्व मुख्यमंत्री ने साफ किया कि उन्होंने पार्टी से केवल इतना कहा है कि वह राज्यसभा का तीसरा कार्यकाल लेने के इच्छुक नहीं हैं। इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि वह कांग्रेस के लिए काम करना बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी जहां भी जिम्मेदारी देगी, वह उसे निभाने के लिए तैयार रहेंगे और अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व का होगा। राज्यसभा जाने को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने इसे काल्पनिक बताते हुए इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बासमती चावल को जीआई टैग नहीं मिलने का मुद्दा उठाया

दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश के बासमती चावल को जीआई टैग नहीं मिलने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने तीन महीने पहले केंद्र और राज्य सरकार को पत्र लिखकर किसानों की समस्या से अवगत कराया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने बताया कि संसद के शीतकालीन सत्र में भी यह मुद्दा उठाया था और सरकार का ध्यान दिलाया था कि जीआई टैग नहीं होने के कारण प्रदेश के बासमती उत्पादक किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उचित कीमत नहीं मिल पा रही है।

धान के बाद अब हरियाणा में आलू घोटाला : भूपेंद्र हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रोहतक में बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा भाजपा लगातार घोटाले कर रही है। धान के बाद अब आलू घोटाला आया है। हालात ये हैं कि किसान का आलू 60 रुपये क्विंटल के भाव खरीदा जा रहा है।

इससे किसान को फसल का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। वह अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को उनकी मेहनत का फायदा नहीं मिलेगा तो वह आर्थिक रूप से मजबूत कैसे होगा इसलिए फसल के सही दाम दिए जाएं।

भारत फिर बना टी20 विश्वकप चैंपियन

» न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार जीता खिताब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप का खिताब तीसरी बार अपने नाम किया। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इसके साथ ही भारत लगातार दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गया। जसप्रीत बुमराह को उनके शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। फाइनल में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

भारत की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन की शानदार पारी खेली, जो टी20 विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा। वहीं ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन का योगदान दिया। आखिर के ओवरों में शिवम दुबे ने 08 गेंदों पर 26 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी। ओपनर बैट्समैन टिम सीफर्ट ने 52 और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 43 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। पूरी कीवी टीम 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल ने 3 ओवर में 27 रन खर्च कर 3 विकेट हासिल किए। इस जीत के साथ भारत पहली ऐसी मेजबान टीम बन गया जिसने अपने घर में टी20 विश्व कप का खिताब जीता। साथ ही तीन बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन गई। फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 255 रन का विशाल स्कोर बनाया, जो टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा टोटल है।

तिरंगा लहराया... पिच की मिट्टी चूमी, भावुक हुए कप्तान सूर्यकुमार

न्यूजीलैंड को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। जैसे ही आखिरी विकेट गिरा और भारत की जीत पक्की हुई, 'मिस्टर 360' मैच खत्म होते ही जश्न मनाने से पहले सूर्यकुमार सीधे पिच की ओर बढ़े। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच से मिट्टी उठाई और उसे अपने माथे से लगाया। यह पल उनके लिए बेहद खास था और कैमरों में कैद होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। जीत के जश्न के दौरान सूर्यकुमार यादव तिरंगा ओढ़े नजर आए। उनके साथ हार्दिक पंड्या भी तिरंगे में लिपटे दिखाई दिए। मैदान पर मौजूद बाकी भारतीय खिलाड़ी भी इस ऐतिहासिक जीत के बाद काफी भावुक नजर आए। खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को गले लगाकर इस खास पल को यादगार बना दिया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, मुझे लगता है कि इस जीत का एहसास होने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन फिलहाल बहुत खुशी हो रही है। यह एक लंबा सफर रहा है। 2024 वर्ल्ड कप के बाद यह यात्रा शुरू हुई थी। जय शाह, रोहित शर्मा और बाकी लोगों ने मुझ पर भरोसा दिखाया और मुझे टीम की अगुआई करने का मौका दिया। वहां से शुरू हुआ यह सफर आज यहां जीत के साथ पूरा हुआ।

संसद में पश्चिम एशिया संकट पर हंगामा, विपक्ष ने उठाए सवाल, विदेश मंत्री का जवाब

» नारेबाजी पर भड़के रिजिजू, खरगे व जयराम ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का सोमवार से दूसरा चरण शुरू हो गया है। इसके भी हंगामेदार रहने के आसार हैं। सत्र के पहले दिन लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए विपक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर लोकसभा में बयान दिया।

संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भारत की विदेश नीति को

लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह तय करने की कोशिश कर रहा है कि भारत को तेल किस देश से खरीदना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि इस मुद्दे पर संसद में गंभीर चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि यह सीधे तौर पर देश की विदेश नीति और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा विषय है। लोकसभा में पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विपक्षी सांसदों से अपील की कि वे शांति बनाए रखें और हंगामा न करें।

संवाद और कूटनीति से ही समाधान संभव : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में चल रहे संघर्ष पर सदन को जानकारी देना शुरू किया। हालांकि, विपक्ष के सांसदों ने लगातार वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाते हुए हंगामा जारी रखा। जयशंकर ने कहा प्रभावित देशों से हम संपर्क कर रहे है। संवाद और कूटनीति से ही समाधान संभव है।

खरगे ने पूरे मामले पर रखी अपनी बात

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैं सदन में नियम 176 के तहत विषय पर शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कसन का अनुरोध कर रहा हूं। पश्चिमी एशिया में तेजी से बदल रही जियो पॉलिटिकल सिचुएशन अब वहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत की एनर्जी सिक्योरिटी पर भी पड़ रहा है। साथ ही, इसका असर भारत की साख और छवि पर भी हो रहा है।

विदेश मंत्री का बयान पर्याप्त नहीं, पश्चिम एशिया पर तत्काल चर्चा हो : जयराम

कांग्रेस ने सोमवार को पश्चिम एशिया संकट पर संसद में विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर असंतोष जताते हुए कहा कि इस मामले पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राज्यसभा में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग को अस्वीकार कर दिया गया, जिसके बाद विपक्ष को वॉकआउट करना पड़ा। जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि जैसा कि अपेक्षित था, विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वत- संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, जिस पर कोई प्रश्न नहीं पूछा जा सकता या स्पष्टीकरण नहीं मांगा जा सकता। संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया के हालात पर तत्काल चर्चा चाहता था। इसे अस्वीकार कर दिया गया और इसलिए विपक्ष ने विरोध के बाद वॉकआउट कर दिया।

पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करके देशद्रोह किया : राहुल

नेता प्रतिपक्ष बोले- समझौते से भारत के किसानों और छोटे व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एकबार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करके देशद्रोह करने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि इस समझौते से भारत के किसानों और छोटे व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। गांधी ने ये टिप्पणियां केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान के नेतृत्व में राज्यव्यापी पुथुयुग यात्रा के समापन समारोह का उद्घाटन करते हुए कीं।

गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को निराश किया है। उन्होंने देश के साथ विश्वासघात किया है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ समझौता करके देश के साथ विश्वासघात किया है। राहुल ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, विशेषकर किसान और छोटे व्यवसायी, अंतत: इस समझौते का बोझ उठाएंगे। उन्होंने कहा कि उनसे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने भारतीय कृषि को अमेरिकी कृषि के लिए नहीं खोला। राहुल ने कहा कि बड़ी और मशीनीकृत अमेरिकी कृषि कंपनियों के भारतीय बाजार में प्रवेश से छोटे किसानों पर भारी दबाव पड़ेगा और

कृषि क्षेत्र में भारी तबाही मच सकती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि देश का ऊर्जा क्षेत्र प्रभावित हुआ है और दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समझौते के माध्यम से भारतीय डेटा प्राप्त किया है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी ट्रम्प के इशारों पर चलते हैं और कहा कि केरल के मुख्यमंत्री भी इसी तरह मोदी के इशारों पर चलते हैं।

एपस्टीन की फाइलों से भयभीत हैं भारत के पीएम

गांधी ने कहा कि एपस्टीन की साढ़े तीन मिलियन फाइलें अभी तक सामने नहीं आई हैं। भारत के प्रधानमंत्री इस बात से भयभीत हैं कि अमेरिका उन फाइलों को जारी कर देगा। प्रधानमंत्री के करीबी अनिल अंबानी का नाम उन फाइलों में है। हरदीप पुरी का नाम भी उन फाइलों में है। हमें पूरा विश्वास है कि उन फाइलों में और भी कई नाम हैं। दूसरी ओर, अमेरिका ने अडानी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। प्रधानमंत्री मोदी इस बात से भयभीत हैं कि भाजपा और उनके वित्तीय मामलों का खुलासा भारत की जनता के सामने हो जाएगा। इसीलिए प्रधानमंत्री घबरा गए और उन्होंने अमेरिका-भारत समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए।

केरल में अब तक की सबसे कॉरपोरेटवादी सरकार

लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेरे दोस्तों, वाम मोर्चे के कार्यकर्ताओं, एक सवाल। आप खुद को कम्युनिस्ट सरकार कहते हैं। कृपया मुझे बताएं कि आज केरल में आपकी सरकार में कम्युनिस्ट क्या है? यह केरल की अब तक की सबसे कॉरपोरेटवादी सरकार है... दरअसल, मेरे पास उनके लिए एक सुझाव है। आपका नाम कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया है। इसे बदलकर कॉरपोरेटिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया कर दीजिए। कम से कम अपने कहे अनुसार तो खड़े रहिए।

भारत को सही नीतियां और दूरदृष्टि दी जाए तो वह इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकता है

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कहा कि सैन्य और युद्धक उपकरण तेजी से इलेक्ट्रिक मोटरों की ओर बढ़ रहे हैं, जिन पर चीन का दबदबा है। तिरुवनंतपुरम के टेक्नो पार्क में आईटी जगत के लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर भारत को सही नीतियां और दूरदृष्टि दी जाए, तो वह इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकता है। रूस-यूक्रेन और ईरान संघर्षों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप यूक्रेन जाएं और युद्धक्षेत्र में जो हो रहा है उसे देखें, तो आप पाएंगे कि ड्रोन आंतरिक दहन इंजनों को पूरी तरह से खत्म कर रहे हैं। ईरान में, आप देखेंगे कि सैन्य क्षेत्र बैटरी ऑप्टिक्स और इलेक्ट्रिक मोटर की ओर बढ़ रहा है। इन तकनीकों पर किसका दबदबा है? चीन का। यह हमारे लिए एक बड़ी समस्या है क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे देश हैं जो यह बदलाव ला सकते हैं। सही नीतियों और दूरदृष्टि के साथ, भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में चीन से प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 लोगों को नोटिस जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में आज अहम सुनवाई हो रही है। दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) केसंयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा कुल 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किया था।

सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पक्ष रखा। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े केस की सुनवाई से रोक दिया है। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि ट्रायल कोर्ट में चल रही ईडी मामले की कार्यवाही को तब तक के लिए टाल दिया जाए, जब तक कि सीबीआई की इस याचिका पर फैसला नहीं हो जाता। वहीं, अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले में जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के स्टेटमेंट पर भी रोक लगाई। मामले में सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया गया। आज सुनवाई के दौरान केजरीवाल मनीष सिसोदिया या अन्य किसी भी आरोपी के तरफ से कोई भी पेश नहीं हुआ था। अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। एसजी तुषार मेहता ने हाई कोर्ट में कहा कि यह मामला पूरी तरह से भ्रष्टाचार का है, इस मामले में आरोपियों द्वारा कुल 170 फोन नष्ट किए गए हैं। कोरोना महामारी के दौरान जिस समय पूरा देश लॉकडाउन में था और आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंध था उस समय रिश्वत लेने देने के लिए प्राइवेट जेट तक का इस्तेमाल किया गया।

इंडिगो फ्लाइट में सवा घंटे फंसे रहे यूपी के दोनों उप मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो विमान में सवा घंटे यूपी के दोनों डिप्टी सीएम फंसे रहे। तकनीकी खराबी के कारण दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक यात्रियों के साथ फ्लाइट में ही फंसे रहे।

करीब एक घंटा 20 मिनट बाद तकनीकी खराबी दूर होने के बाद फ्लाइट कोलकाता के लिए रवाना हुई। सोमवार को इंडिगो की विमान संख्या 6ई505 सुबह 7:40 पर कोलकाता के लिए रवाना होनी थी। तकनीकी खराबी के कारण 8:59 पर कोलकाता के लिए हुई रवाना। दोनों डिप्टी सीएम पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए आज कोलकाता पहुंचे हैं। आधिकारिक पुष्टि अभी नही हुई है।

बंगाल में राष्ट्रपति दौरे को लेकर मचा घमासान

भाजपा व टीएमसी में छिड़ी जुबानी जंग, सीएम ममता बोलीं- भाजपा कर रही है देश के सबसे बड़े पद का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सिलीगुड़ी यात्रा पर हुए विवाद पर टीएमएसी व भाजपा में जुबानी जंग तेज हो गई है। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर राष्ट्रपति के पद का अपमान करने को आरोपल गाया है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रोटोकॉल उल्लंघन से इनकार करते हुए कहा कि प्रशासन ने आयोजकों की खामियों के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था।

उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि वह अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान और दुरुपयोग कर रही है। बनर्जी के अनुसार, राष्ट्रपति सचिवालय की अग्रिम टीम ने 5 मार्च को कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और उन्हें व्यवस्थाओं की कमी से अवगत

कराया गया, लेकिन कार्यक्रम निर्धारित समय पर ही जारी रहा। उन्होंने आगे कहा कि माननीय का स्वागत और विदाई सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर, दार्जिलिंग के डीएम और सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्त कार्यालय के सीपी द्वारा राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा साझा की गई अनुमोदित सूची के अनुसार ही की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सूची या मंच योजना का हिस्सा नहीं थी। जिला प्रशासन की ओर से किसी भी प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हुआ।

पीएम मोदी बोले- राष्ट्रपति का अपमान देश नहीं भूलेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे में प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप लगाते हुए इसे नारी शक्ति और आदिवासी समाज का घोर अपमान बताया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कल बंगाल में जो हुआ, वह देश की राष्ट्रपति का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने न केवल राष्ट्रपति बल्कि पूरे आदिवासी समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

प्रोटोकॉल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ : ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू की सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी संताल

सम्मेलन की हालिया यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्यक्रम एक निजी संस्था द्वारा आयोजित किया गया था। एक बयान में बनर्जी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संताल परिषद ने राष्ट्रपति को सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी संताल सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि उन्नत सुरक्षा समन्वय के बाद, जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति सचिवालय को लिखित रूप में सूचित किया कि आयोजक की तैयारी अपर्याप्त प्रतीत होती है; यह चिंता टेलीफोन पर भी व्यक्त की गई थी।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा